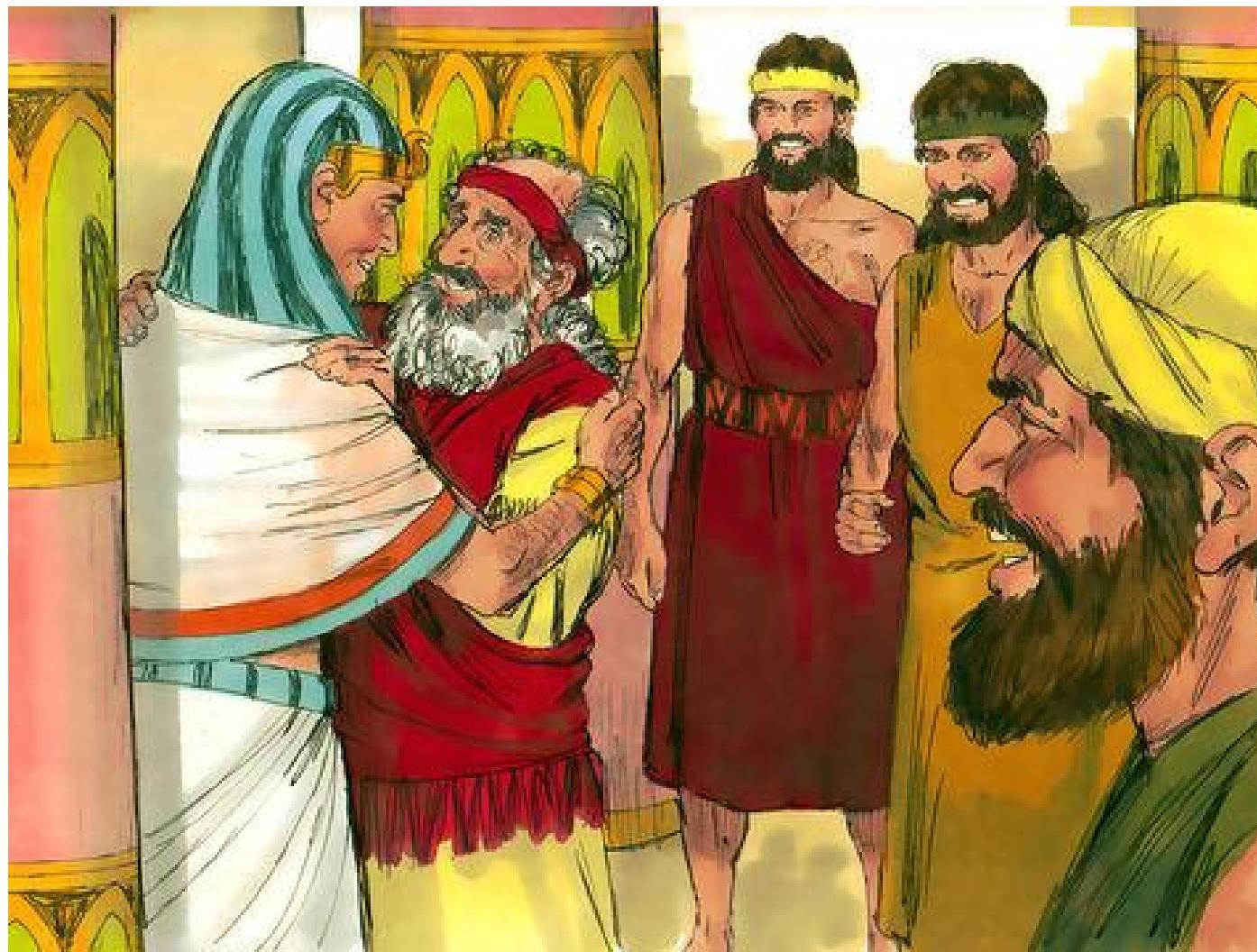


युसूफ आपडे बाइउँ माफ कौरै



युसूफ आपड़ै बाइउँ माफ कौरै

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india





<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work, but you may distribute the resulting work only under the same or similar license to this one. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

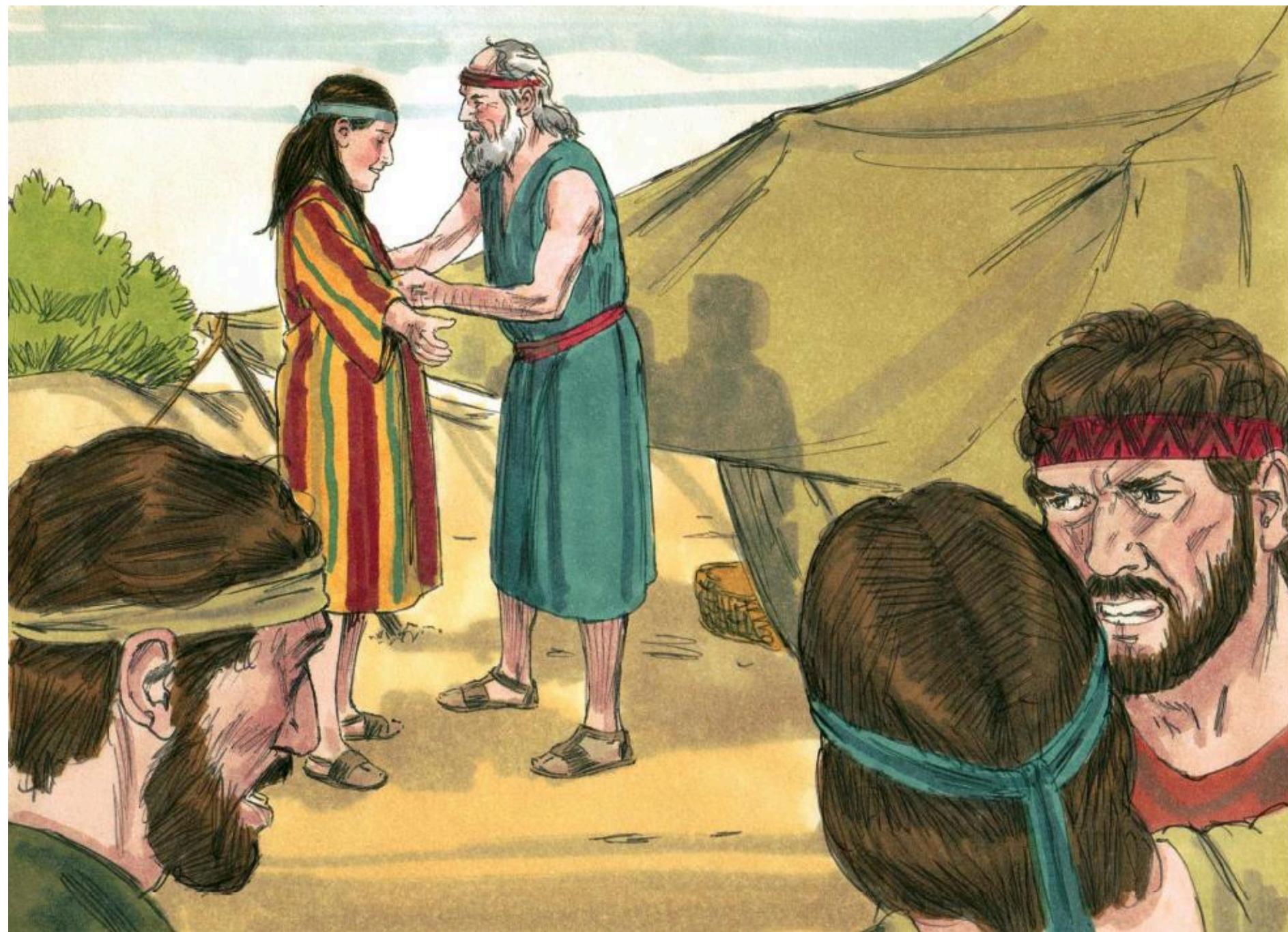
प्रकाशन:-

NLCI

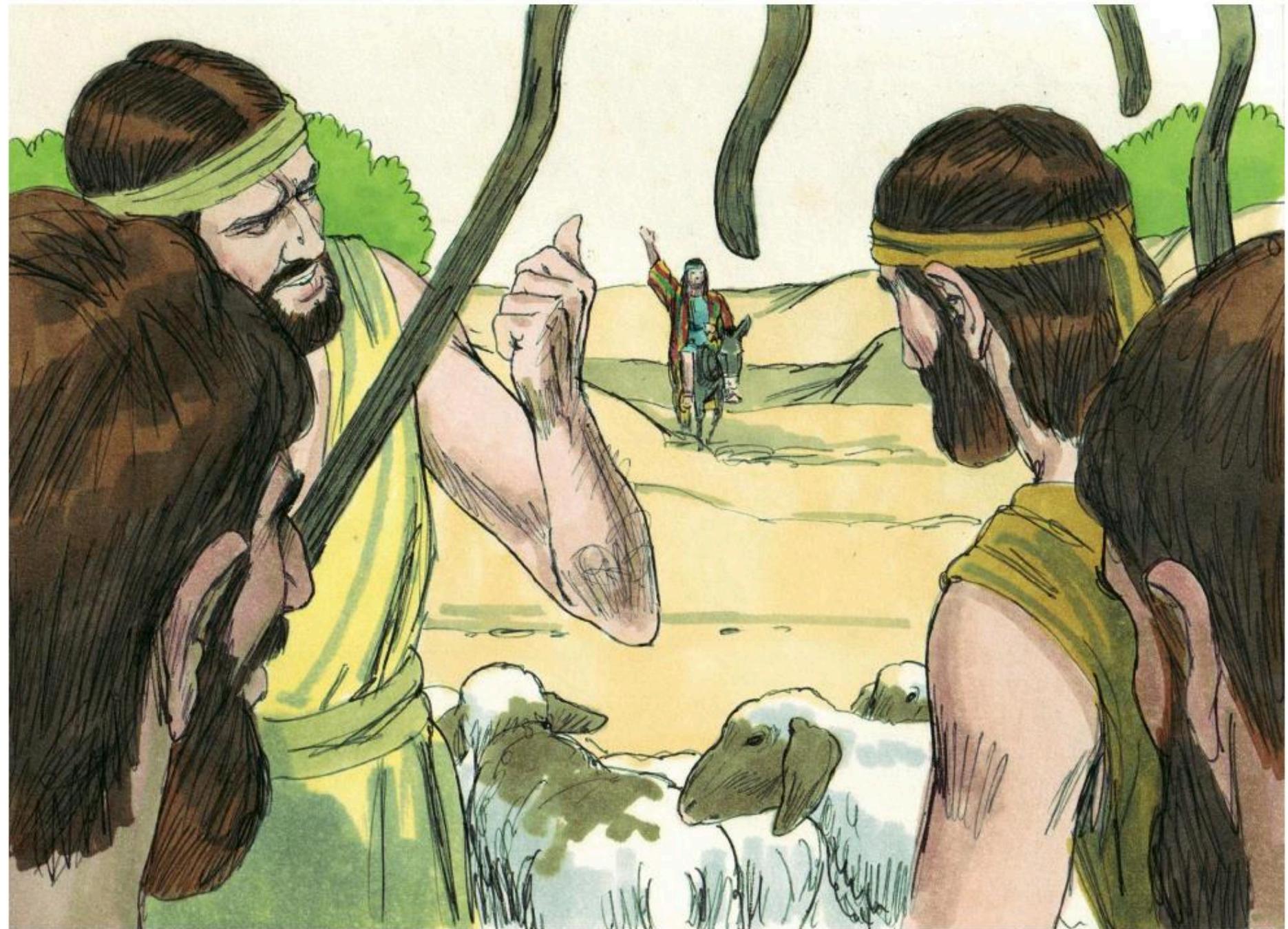
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें युसूफ अपने भाईयों को माफ करता है, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



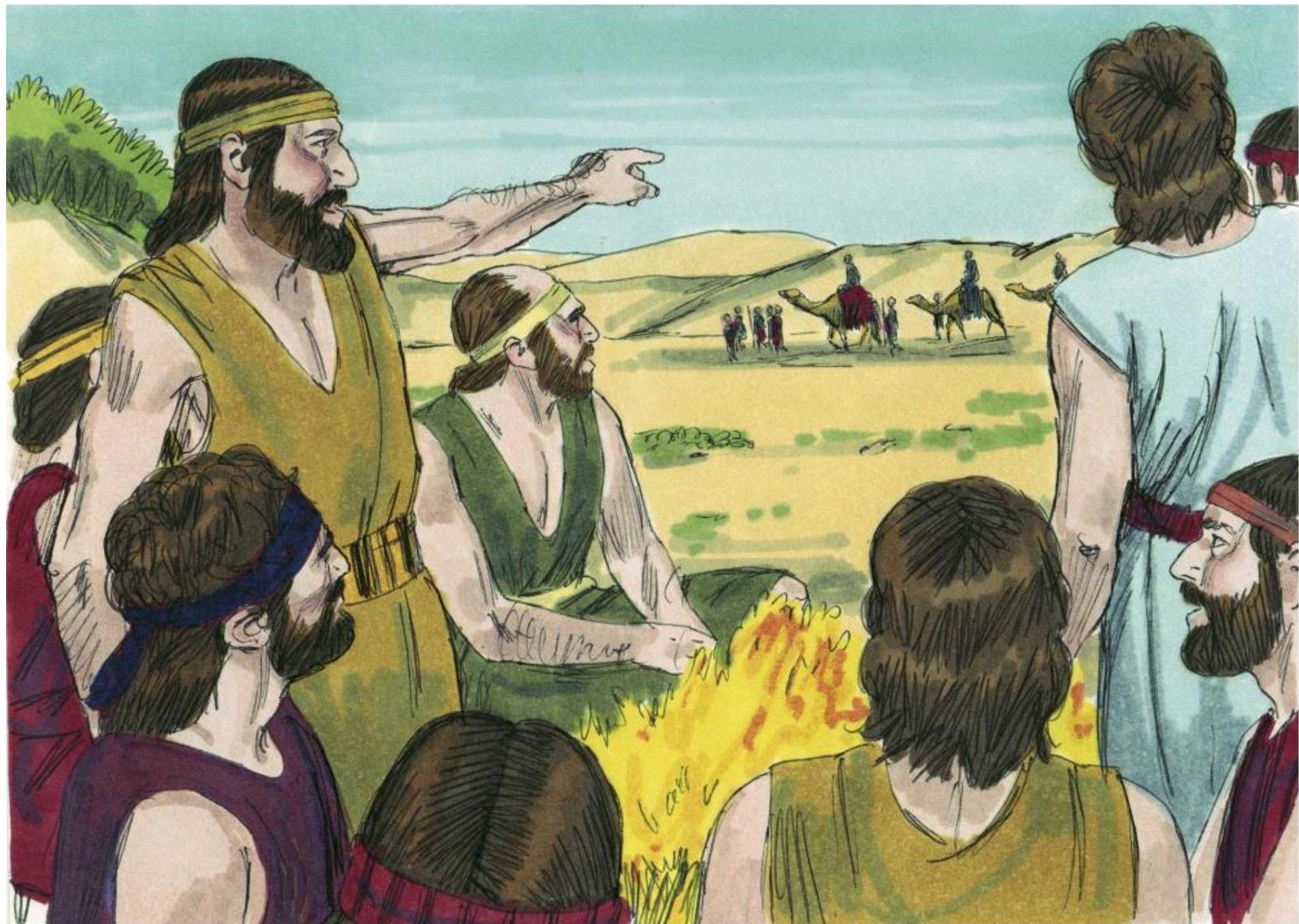
युसूफ एक सौत्रा साल रौ माऊँ थौ। सै गियारा
बाइ थै। पर युसूफ रै बाइ तेसकौइ ज़ौळैण थै।
केलाकि युसूफ रौ पापा युसूफ कौइ बौरी प्यार
कौरे थौ। युसूफ सुइंणे रौ मतलब बोलै थौ।



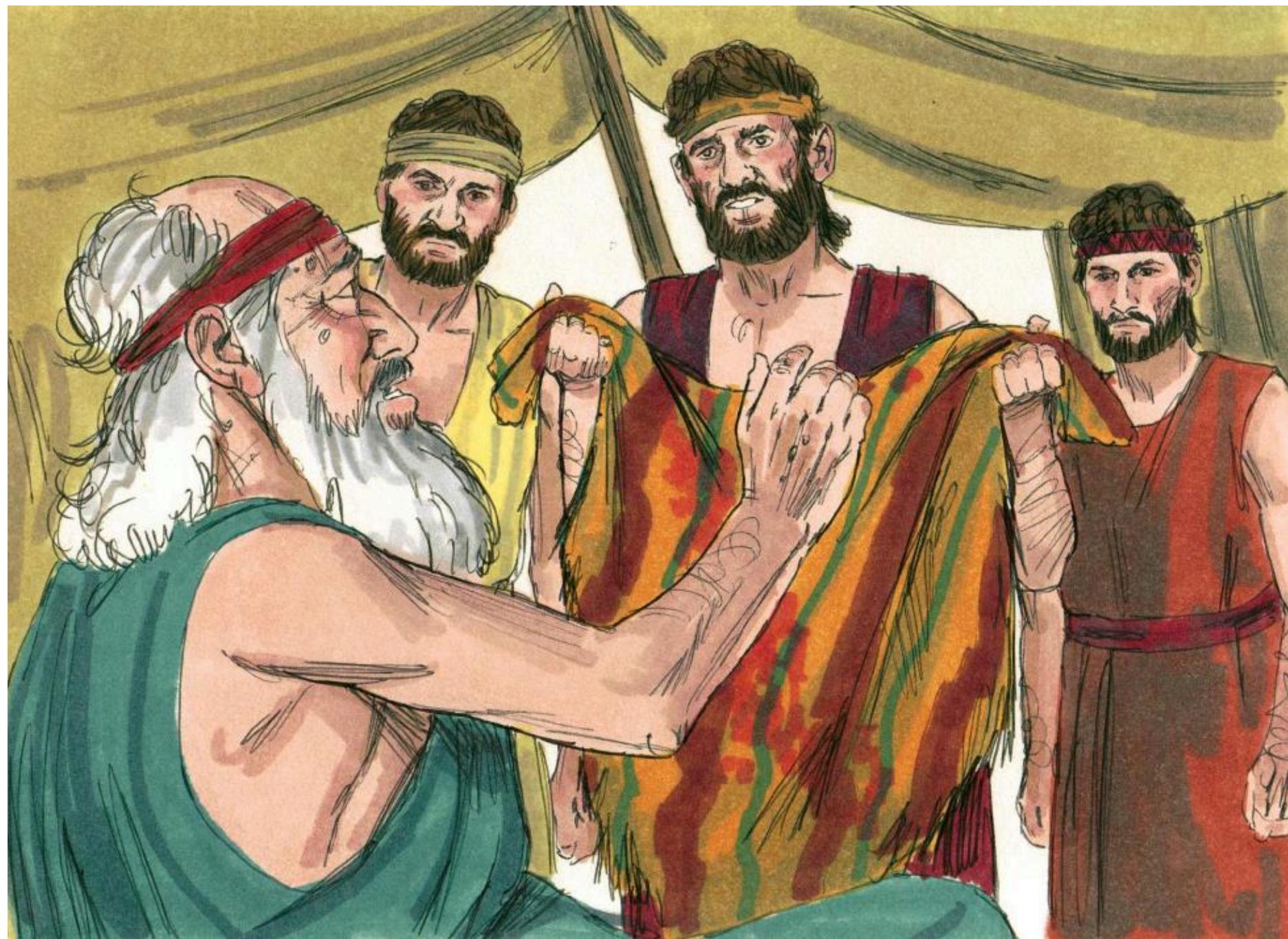
एक दूस युसूफेइ सुइणौ देखौ, तेसरै बाइ तेसकै
डाइल रौयै थै कौरदै लागी। तेत्रा कौइ तेसरै
बाइ तेसकौइ ओर बि ज़ादा ज़ौँदै लागै। थोड़े
दूस बासियै युसूफ रै दश बाइ दुरै केज़ी ज़ागा
दि बेड़ बाकरिऊँ रौयै थै चौरान्दै लागी।
सेज़ौ बौत्ते दि युसूफ हाल चाल पुछै तिऊँ
काइ डैओ



तैबै तेसरै बाइउँ युसूफ दूरै कौइ आन्दु बैरै
देखौ, तै तेस जांगणौ रौ बिच्चार कियौ, पर तेसरै
बौड़े बाइयेइ बोलौ, कि आमै एस जान कौइ ना
जांगदै पर तेस गाङ्कै पोरु देइ पाइ औज़ि ज़ौ सेऊ
तिउँ काइ पौइंचौ तै तिउँ तेसरौ चादरु गाड़ियौ
सेऊ गाङ्कै दि दैओ पाइ



तैबै तेसरै बाइउँ कुछु व्यापारी डेन्दु बैरै देखै,
औजि तिउँ युसूफ गाङ्गै कौइ गाङ्गियौ व्यापारिउँ
कै बीश चाँदी रै सिक्कौउँ खि बेची देणौ, तैबै
तेसरै बाइउँ एक बाकरौ जांगियौ तेसरौ चादरु
बाकरै रै लोऐ माइ डुबाइयौ आपडै पापा
काइ गिणौ

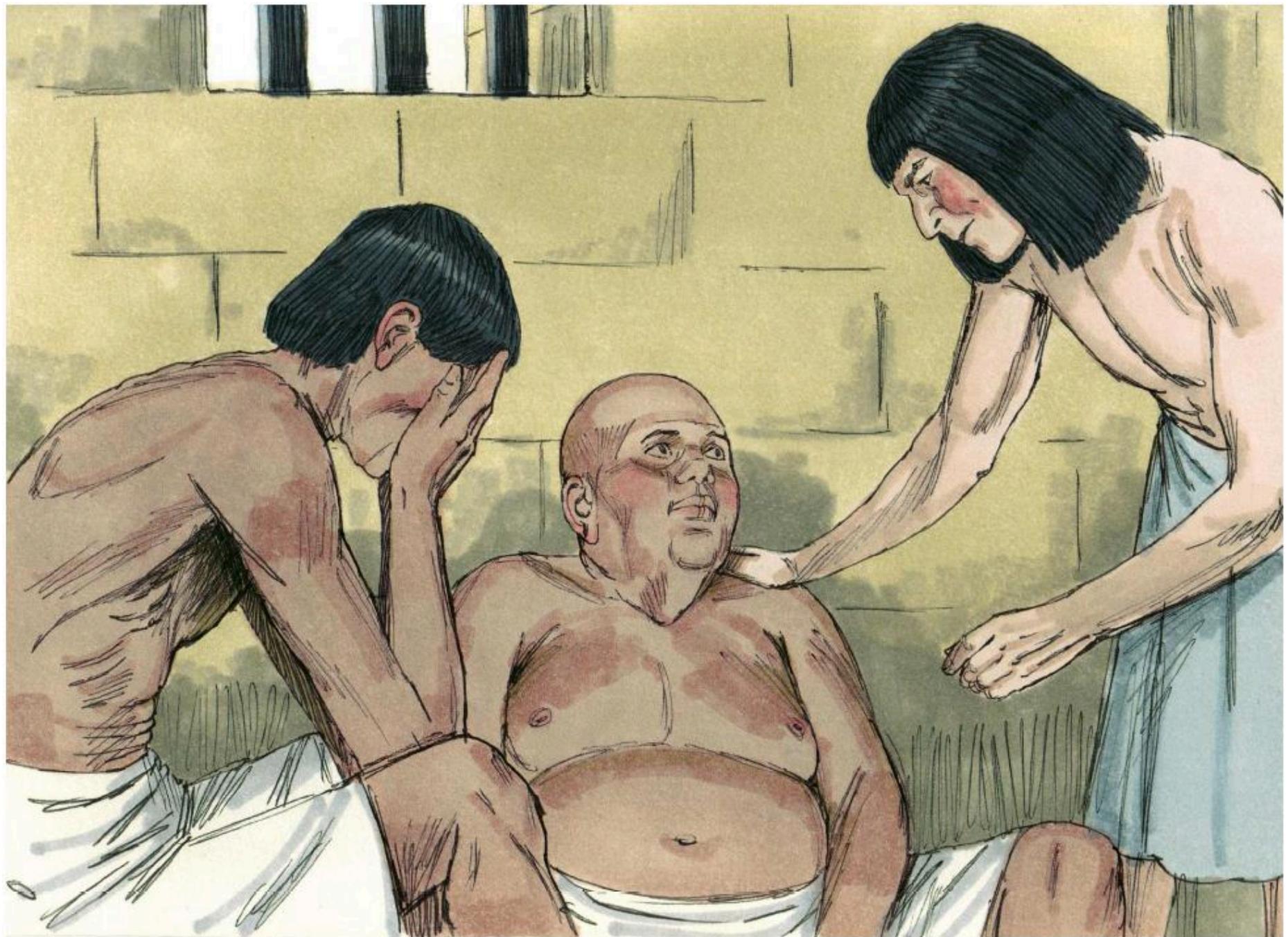


तेसरै पापाइ तेसरौ चादरु देखियौ पौरियाणौ ।
तिणी सौमज्जौ कि युसूफ जानबरेइ खाइगा । एज़ी
बौज़ै कौइ सेऊ आपड़ै बेटा खि दुखी उवौ, पर
तेसरौ बेटा ना नौथि थौ मौरौन्दौ, व्यापारिउँ
सेऊ मिस्ल देश दि पोतीपर कै बेची देणौ

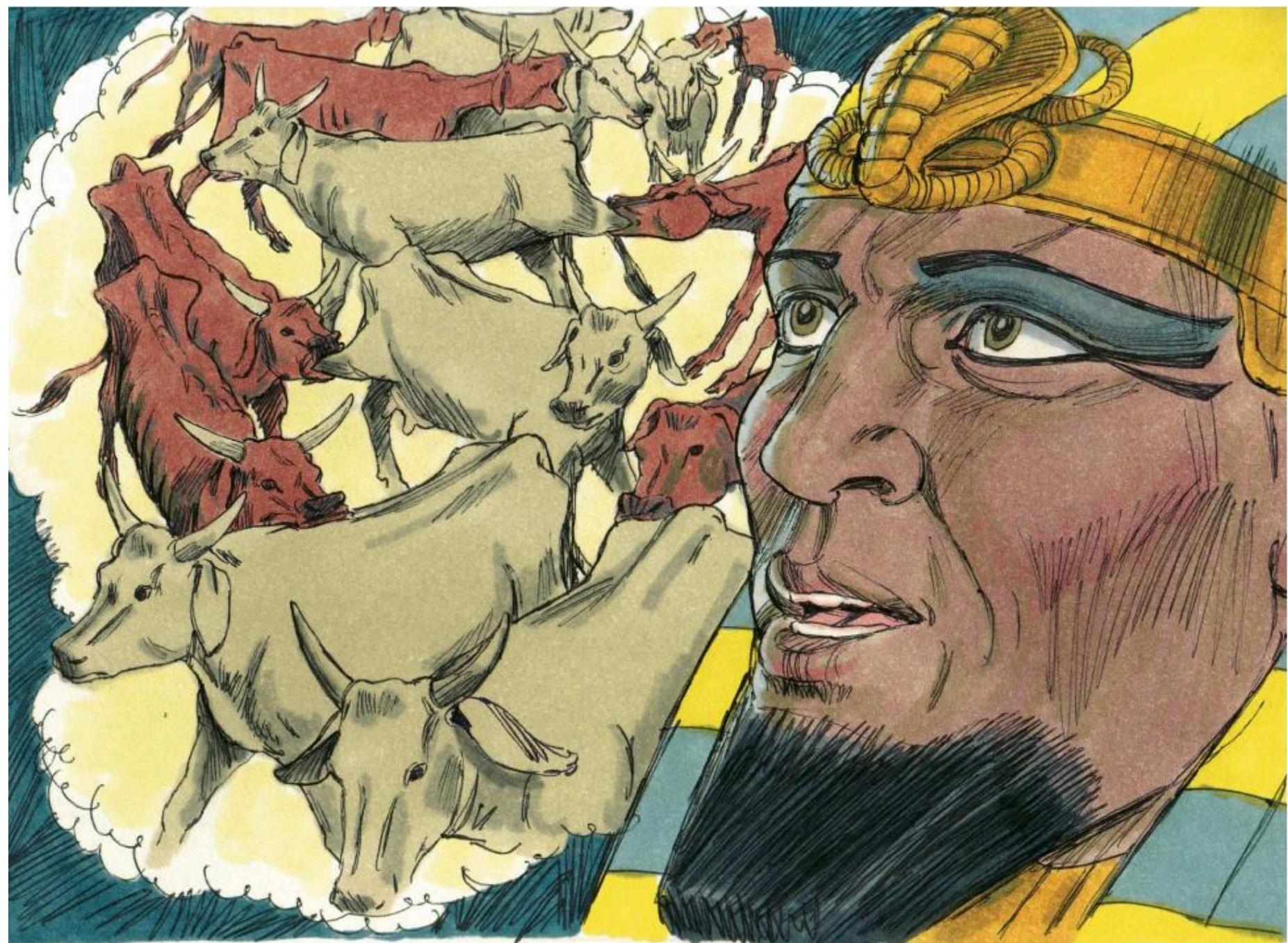


युसूफ पोतीपर रै गौरे दि बौड़ी मैनत कौइ काम
कौरे थौ। औज़ि परमेश्वर युसूफ रै साथे रौए थौ।

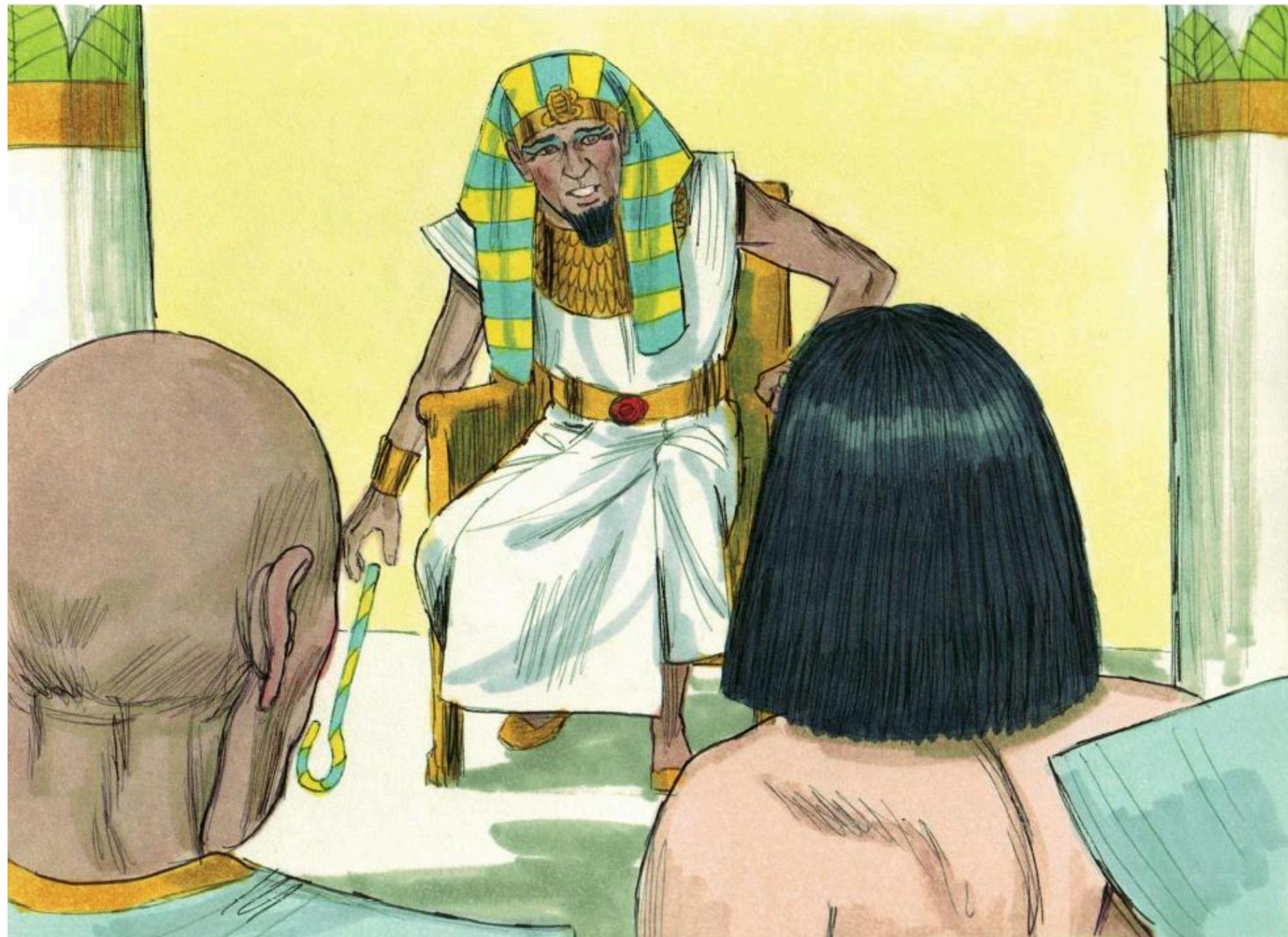
पोतीपरेइ युसूफ आपड़े गौरे रौ औज़ि आपड़ि
दन दौलत रौ अदिकारी चाणौ एक दूस पोतीपर
रि छेउड़िएइ युसूफ दि जुठौ बाझनौ लाइयौ ज़ेल
दि पौआओ।



एक दूस राजाइ आपडे दुइ सेवकुं खि रोश
लागौ। औजि राजाइ सै युसूफ रै साथै जेल दि
पाइ देणै, तिउँ सेवकुं एक रात सुइणौ देखौ,
औजि सै आपडे सुइणै रौ मतलब ना सौमज्जी
सौकै। पर युसूफेइ तिउँरौ सुइणै रौ मतलब तिउँ
आरि बोलौ।



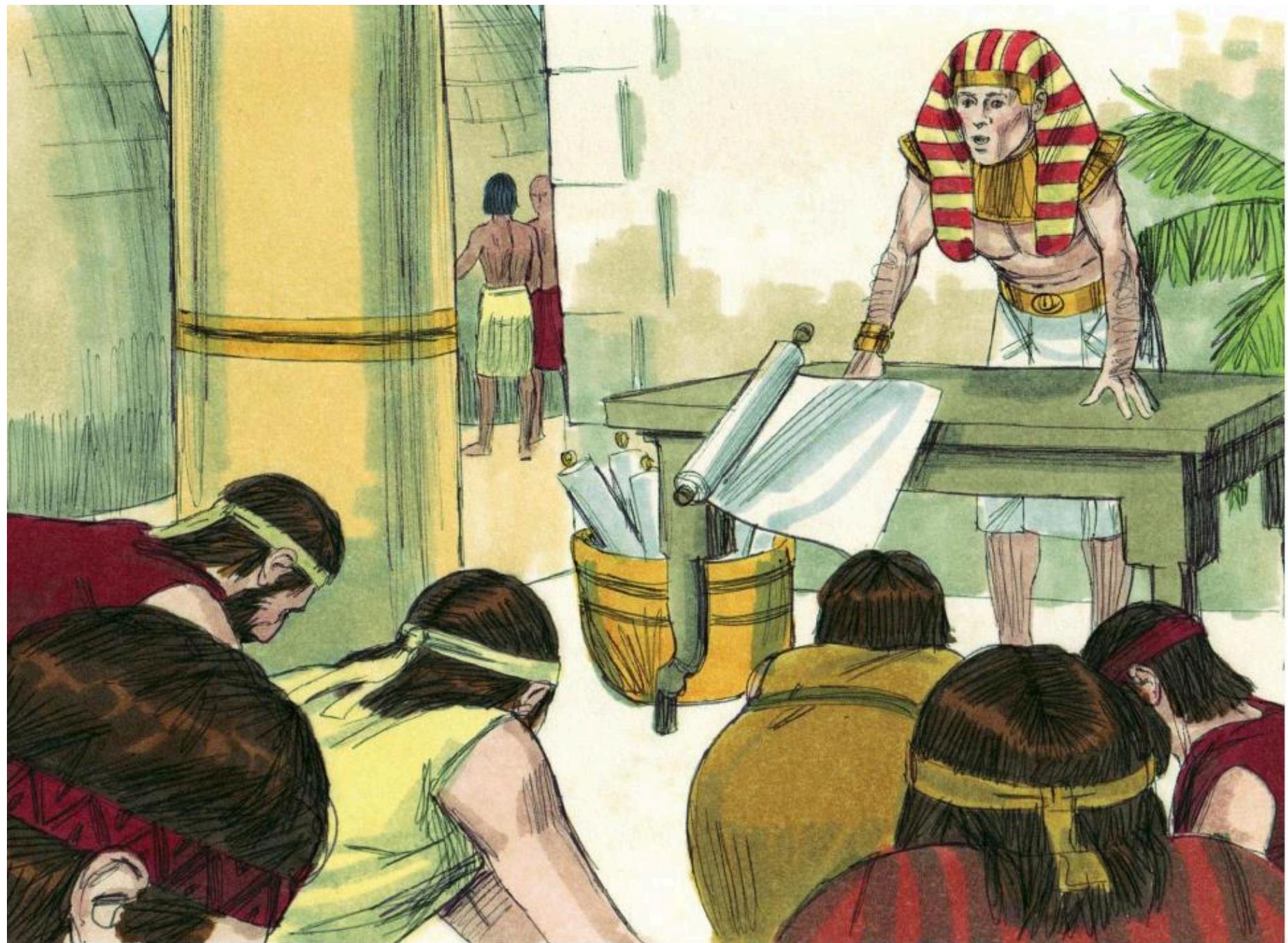
जेशौ युसूफेइ तिउँ आरि बोलौ, तिउँ सेवकुं रै
साथै तेशौइ उवौ। तै एक सेवक राजा काइ
डैओ, औज़ि एक पोरु मौरौ। कुछु दूस बासियै
राजाइ बि एक सुइणौ देखौ, औज़ि सेउ तेस
सुइणै रौ मतलब ना सौमज़ी सौकौ। औज़ि ना
कोइ तेसरौ सुइणै रौ मतलब बोली सौकै, तैबै
तेस सेवक कै युसूफ रि याद आइ।



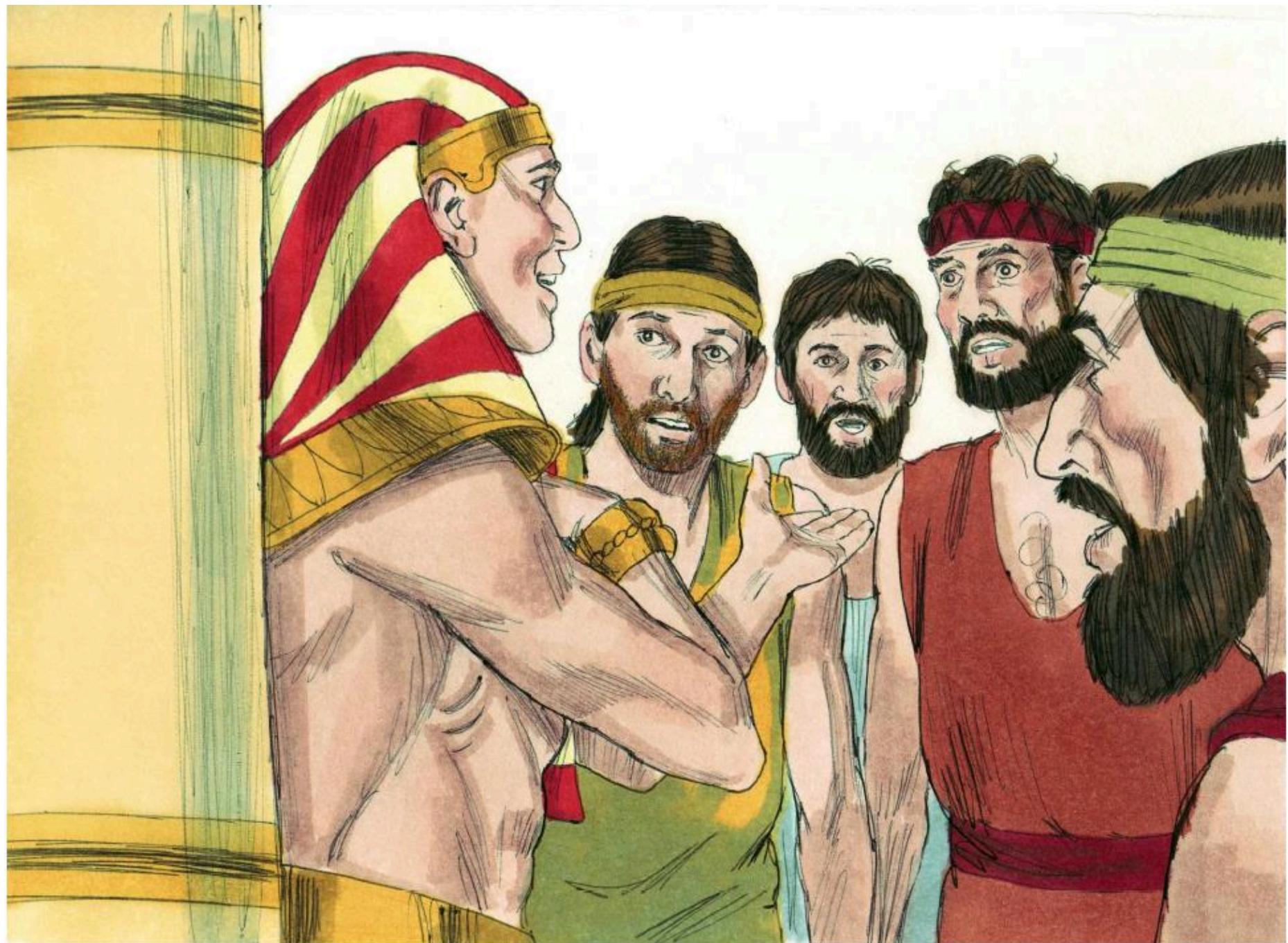
तैबै राज़ाइ युसूफ ज़ेल कौइ ओटाओ, राज़ाइ
आपडौ सुइणौ युसूफ आरि बोलौ, तैबै युसूफेइ
राज़ा रौ सुइणै रौ मतलब बोलौ। ओज़ि बोलौ
कि एस देश दि सात साल तै बौड़िया फसल
ओयै ली, ओज़ि सात साल ओकाल पैड़े लौ।
राज़ाइ बोलौ, परमेश्वरेइ ताउँकै ज्ञान दैओन्दौ।
ताउँ जेती सौमज़दार कोइ ना नौथि।



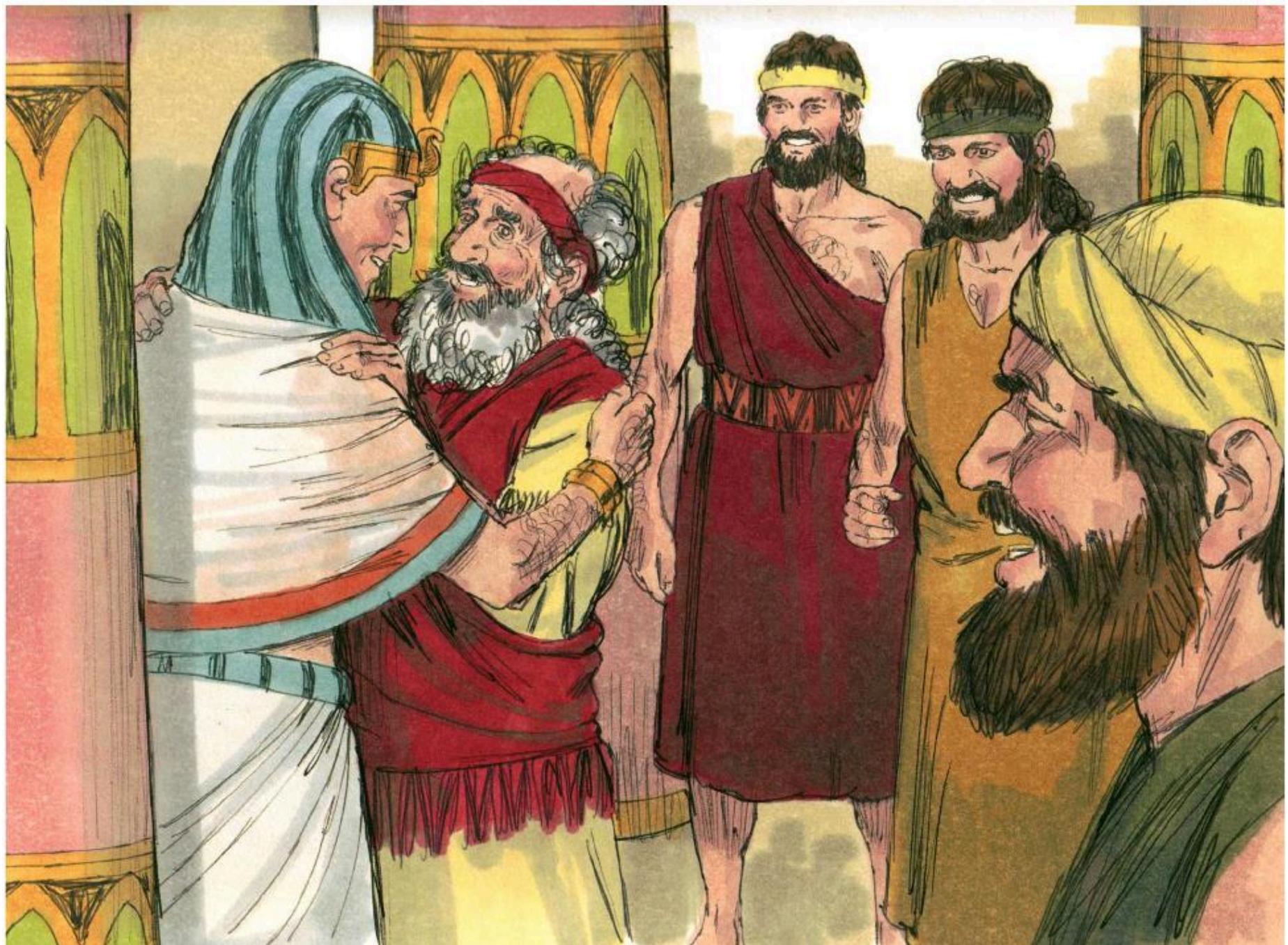
तैबै राज़ाइ सेउ आपड़ै देश रौ परदान मौंत्री
चाणौ, औज़ि तेतबासियै युसूफेइ ज़ेज़ी सै सात
बौड़िया साल थी, तेत्रा बौरी नाज़ कौटौ कियौ।
ताकि औकाल रै सात साल दि देश रै लोग बुखै
ना रौए लै, सात बौड़िया साल खतम औणै
बासियै पूरै देश दि नाज़ रि कौमी ऊन्दी लागी।
तैबै युसूफ मिस्र देश दि नाज़ बेच्चदै लागौ।



याकूबेइ आपड़े बेटा मिस्ल देश दि नाज़ आण्डै
छाड़े। तैबै तेसरै बाइ मिस्ल देश दि नाज़ निंदै
आयै। सेज़ै बौक्ते दि युसूफ सेज़ौ देश रै परदान
मौंत्री थौ। सेज़ी बौज़ै कौइ युसूफ रै बाइउं तेसकै
डाळ कौरी। युसूफेइ आपड़े बाइ पौरियाणै।
पर तिउंकै युसूफ ना पौरियाणुवौ।



तैबै युसूफेइ आपडै बाइउँ आरि बोलौ, “आऊँ
युसूफ, जूण तुमु पोरु बेच्हौ।” एशौ शुणियौ सै
डौरी मैरै। पर युसूफेइ तिउँ आरि बोलौ, तुमै
डौराै नौथि, एऊ सारौ परमेश्वर रि मौर्जी कौइ
उवौ। ऐबै तुमै पापा काइ डैओ, तेसारी एज्जी
बूशै बोली दैओ, ओज्जि तेस मुकाइ आणौ।



ज़ौ याकूब बूड़ौ उइगो थौ, तै सेउ आपड़ौ पूरौ
पौरिबार रै साथै मिस्ल देश खि डैओ औज़ि सै
सारै ज़ौणै युसूफ रै साथै मिस्ल देश दि रौन्दै
लागै, याकूबेइ मौरणै कौइ ओगौणिकै आपड़ै
सारै बेटाउँ कै आशिर्वाद देणौ

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.